

Документ подписан простой электронной подписью
Информация о владельце:
ФИО: Кудрявцев Николай Викторович
Должность: Директор ИНТех (филиал) ФГБОУ ВО "ЮГУ"
Дата подписания: 31.08.2026 15:51:34
Уникальный программный ключ:
d4549add717efbc6ac235d9d14ac43b867696b1d

МИНИСТЕРСТВО НАУКИ И ВЫСШЕГО ОБРАЗОВАНИЯ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

Институт нефти и технологий (филиал) федерального государственного бюджетного образовательного учреждения высшего образования «Югорский государственный университет»

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

программы подготовки специалистов среднего звена среднего профессионального образования

23.02.07

Техническое обслуживание и ремонт двигателей, систем и агрегатов автомобилей

Квалификация: специалист

Год начала подготовки (по учебному плану) 2024

Форма обучения: Очная

Образовательный стандарт (ФГОС) № 1568 от 09.12.2016

Срок получения образования по ОП: 3 г. 10 м.

Уровень образования при приеме на обучение: основное общее образование

Основной	Виды деятельности
+	Техническое обслуживание и ремонт автомобильных двигателей
+	Техническое обслуживание и ремонт электрооборудования и электронных систем автомобилей
+	Техническое обслуживание и ремонт шасси автомобилей
+	Проведение кузовного ремонта
+	Организация процесса по техническому обслуживанию и ремонту автомобиля
+	Организация процесса модернизации и модификации автотранспортных средств
Основной	Освоение профессий рабочих, должностей служащих:
+	Слесарь по ремонту автомобилей

План Учебный план ППССЗ СПО '23.02.07_2024.rlx', код специальности 23.02.07, год начала подготовки 2024

Курс		Семестр		Наименование дисциплины		Формы обучения		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры		Семестры	
------	--	---------	--	-------------------------	--	----------------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--	----------	--